ई संदेश

23 अप्रैल 2026 | अंक 202

सात दिन-सात पृष्ठ

- सुरक्षा सुशासन की पहली शर्त, बेहतरीन अवस्थापना सुविधाओं से सुदृढ़ हो रही यूपी पुलिस: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ
- 'सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा' गौरवशाली विरासत का प्रतीक: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ
- नारी सशक्तिकरण से ही साकार होगी आत्मनिर्भर और विकसित भारत की संकल्पना: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ
- पारदर्शी भर्ती परीक्षा, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था और जनसुविधाएं सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ
- मुख्यमंत्री नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन बिल पारित न होने के सम्बन्ध में आयोजित 'जन आक्रोश महिला पदयात्रा' में सम्मिलित हुए

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

सुरक्षा सुशासन की पहली शर्त, बेहतरीन अवस्थापना सुविधाओं से सुदृढ़ हो रही यूपी पुलिस: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जनपद गोरखपुर में श्री गोरखनाथ मन्दिर क्षेत्र की सुरक्षा हेतु 9.18 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित 02 आधुनिक सुरक्षा भवनों का 16 अप्रैल, 2026 को उद्घाटन करने के पश्चात आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि सुरक्षा सुशासन की पहली शर्त है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश सरकार के स्तर पर अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस के आरक्षी, सब-इंस्पेक्टर, इंस्पेक्टर तथा डिप्टी एसपी आदि कार्मिक हम सभी के बीच से निकले कॉमन मैन ही हैं। जब ये लोग भर्ती व ट्रेनिंग की प्रक्रिया से जुड़ने के पश्चात पुलिस विभाग के विभिन्न प्रकल्पों में कार्य करना प्रारम्भ करते हैं, तो उनके कार्य की दक्षता के लिए उच्च कोटि की अवस्थापना सुविधाएं अत्यन्त आवश्यक होती हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने सुरक्षा भवनों में उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन भी किया। इन नवनिर्मित भवनों में अपर पुलिस अधीक्षक व पुलिस उपाधीक्षक के कार्यालय, कन्ट्रोल रुम, पुलिस स्टोर रुम तथा मेन्टेनेंस वर्कशॉप शामिल हैं।

मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि श्री गोरखनाथ मन्दिर के समीप स्थित यह नवनिर्मित सुरक्षा भवन पूरे प्रदेश के लिए एक मॉडल बन रहा है। उन्होंने पूर्व की स्थितियों का स्मरण कराते हुए कहा कि पहले सुरक्षाकर्मियों को ठहरने के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब पुलिस, सामान्य अतिथियों व नागरिकों के ठहरने के लिए अलग-अलग बेहतरीन सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं, जिससे हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित हो रही है। यही मॉडल सुशासन और विकसित भारत की संकल्पना को आगे बढ़ाने में सहायक होगा। इस आधुनिक भवन में लगभग 100 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी एक साथ ठहर सकते हैं। यहां श्री गोरखनाथ मन्दिर क्षेत्र के पुलिस अधीक्षक (सुरक्षा) का कार्यालय होगा और इसके साथ ही डिप्टी एसपी, इंस्पेक्टर्स, सब-इंस्पेक्टर्स तथा एनएसजी आदि के लिए उच्च स्तरीय आवासीय सुविधा, मेस, ऑफिस तथा मीटिंग हॉल आदि उपलब्ध रहेंगे।

पुलिस बल के सुदृढ़ीकरण पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि प्रदेश सरकार ने विगत 09 वर्षों में 02 लाख 19 हजार से अधिक पुलिस कार्मिकों की भर्ती सफलतापूर्वक सम्पन्न की है। वर्ष 2017 से पूर्व युवा पुलिस भर्ती में सम्मिलित तक नहीं होना चाहते थे और विभाग में आधे से अधिक पद खाली पड़े थे। एक समय ऐसा था जब पुलिस की ट्रेनिंग क्षमता 03 हजार से अधिक नहीं थी, लेकिन प्रदेश में पुलिस अवस्थापना सुविधाओं के अभूतपूर्व विकास से वर्तमान में 60 हजार से अधिक पुलिस कार्मिकों की एक साथ ट्रेनिंग कराई जा रही है। उन्होंने इसे समय पर लिए गए निर्णयों और प्रदान की गई सुविधाओं का ही परिणाम बताया।

उन्होंने कहा कि पहले थाना, चौकी, पुलिस लाइन और पीएसी वाहिनियों आदि में पुलिस कार्मिकों तथा अधिकारियों के लिए कोई उचित आवासीय सुविधा नहीं थी। इसके परिणामस्वरुप उन्हें किराये पर रहकर अपना जीवन जैसे-तैसे व्यतीत करना पड़ता था। वर्तमान प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक पुलिस लाइन में 200 पुलिस कार्मिकों के लिए आवासीय व्यवस्था प्रदान की गई है। इसके अलावा, थानों में महिला और पुरुष पुलिस कार्मिकों के लिए अलग-अलग बैरकों का निर्माण किया गया है। आज 55 जनपदों में स्थित सबसे बड़ी बिल्डिंग तथा सबसे ऊंचा टावर पुलिस बैरक ही है, जहां पुलिस कर्मचारी सुविधायुक्त वातावरण में रहकर अपनी जिम्मेदारियों का पूरी ईमानदारी से निर्वहन कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने गोरखनाथ थाने के भव्य भवन को भविष्य के थानों का मॉडल बताते हुए कहा कि आधुनिक थाने इसी तर्ज पर विकसित किए जाएंगे। अवस्थापना सुविधाओं और अग्निशमन केन्द्रों के तेजी से विकास के कारण कार्मिकों के कार्य की गति बढ़ी है। उन्होंने कहा कि पहले बैरक और अन्य सुविधाएं न होने के कारण जब पुलिस किसी अपराधी को पकड़कर लाती थी, तो कई बार ठहरने की व्यवस्था न होने के चलते अपराधी को छोड़ना पड़ जाता था और पुलिस असहाय नजर आती थी। अब अपराधी भाग नहीं सकता, क्योंकि थाने में ही उसे सुरक्षित रखने की सभी सुविधाएं मौजूद हैं। थानों में पुलिस कार्मिकों के लिए बेहतरीन सुविधायुक्त बैरक बन जाने से अब हर समय पर्याप्त संख्या में पुलिस बल मौजूद रहता है, जिससे थाने पर कोई भी हमला करने का दुस्साहस नहीं कर सकता। पारदर्शी भर्ती और बेहतरीन ट्रेनिंग के परिणामस्वरुप आज प्रदेश में सुरक्षा का एक ऐसा शानदार वातावरण स्थापित हुआ है जिसने यूपी में सुशासन का एक नया मॉडल प्रस्तुत किया है।

'सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा' गौरवशाली विरासत का प्रतीक: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने गोमतीनगर रेलवे स्टेशन, लखनऊ में 22 अप्रैल, 2026 को 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के अन्तर्गत 'सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा उत्तर प्रदेश' का विधिवत शुभारम्भ किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में देश ने अपनी गौरवशाली विरासत के साथ-साथ आधुनिक विकास के नये युग में प्रवेश किया है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जी ने बाबा सोमनाथ के अभिषेक हेतु उत्तर प्रदेश की पवित्र सप्त नदियों का पावन जल कलश यात्रा में प्रतिभाग कर रहे श्रद्धालुओं को सौंपा और विशेष ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह विशेष ट्रेन प्रदेश के यात्रियों को विभिन्न तीर्थों से होते हुए द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रथम सोमनाथ धाम का दर्शन कराने के लिए ले जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने भारतीय आस्था की शाश्वतता पर जोर देते हुए कहा कि शास्त्रों की मान्यता के अनुसार जिस प्रकार आत्मा अजर और अमर है, ठीक उसी प्रकार सनातन आस्था भी अजर-अमर है। उन्होंने इतिहास का स्मरण कराते हुए कहा कि भारत की सनातन संस्कृति पर अनेक हमले हुए, लेकिन वे हमले भारत की आस्था को डिगा नहीं पाए। एक हजार वर्ष पूर्व देवाधिदेव महादेव के प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान सोमनाथ के मंदिर पर विदेशी आक्रांता महमूद गजनवी के नेतृत्व में कायराना हमला हुआ था। विदेशी आक्रांता भारत की धन-सम्पदा लूटते गए और मंदिरों को अपवित्र करते गए, लेकिन सनातन धर्म की पताका पूरी मजबूती से खड़ी रही। एक हजार वर्ष बाद भी भारत की सनातन आस्था दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रही है, जबकि उन आक्रांताओं का दुनिया में कोई नामो-निशान नहीं बचा है। यही 'यतो धर्मस्ततो जयः' का शंखनाद है।

भारत की सांस्कृतिक स्वाधीनता का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश की अखण्डता के शिल्पी लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने सोमनाथ मंदिर की दुर्दशा देखकर इसके पुनरुद्धार का संकल्प लिया था। इसके बाद तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने प्राण-प्रतिष्ठा का ऐतिहासिक कार्यक्रम सम्पन्न किया था। आजाद भारत में जो कार्य सरदार पटेल और डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने शुरु किया था, उसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भारत के स्वाभिमान और सनातन आस्था के गौरव अभियान के रूप में निरन्तर आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने अयोध्या का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले कोई नहीं सोचता था कि वहां भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण हो पाएगा, लेकिन 500 वर्षों के आक्रांताओं के कुठाराघात को पीछे छोड़ते हुए अयोध्या में श्रीराम मंदिर पर केसरिया पताका लहरा रही है और उन हमलावरों का नाम लेने वाला कोई नहीं बचा है।

मुख्यमंत्री जी ने काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर, विंध्याचल कॉरिडोर, प्रयागराज के कुम्भ, मथुरा-वृन्दावन, महाकाल लोक, केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम का उल्लेख करते हुए इन्हें भारत की बिना रुके आगे बढ़ने वाली सनातन आस्था का प्रतीक बताया। सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि प्रदेश के हर जनपद से कम से कम 11 श्रद्धालुओं सहित कुल एक हजार से अधिक लोग इस यात्रा पर जा रहे हैं। इनमें उद्यमी, किसान, महिलाएं, नौजवान, श्रमिक, स्ट्रीट वेण्डर्स, गिग वर्कर्स, तकनीकी विशेषज्ञ और विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थी सहित समाज के हर वर्ग के लोग शामिल हैं। रेलवे द्वारा यह यात्रा निःशुल्क कराई जा रही है तथा अन्य खर्च केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय वहन कर रहा है। मुख्यमंत्री जी ने इस पुनीत यात्रा के शुभारम्भ के लिए प्रधानमंत्री जी, रेलवे तथा केन्द्रीय मंत्रालयों का आभार जताते हुए सभी श्रद्धालुओं की सुखद यात्रा की कामना की।

नारी सशक्तिकरण से ही साकार होगी आत्मनिर्भर और विकसित भारत की संकल्पना: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जनपद गोरखपुर के बाबा गम्भीरनाथ प्रेक्षागृह में 22 अप्रैल, 2026 को आयोजित 'नारी शक्ति वंदन' सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की यह स्पष्ट सोच है कि जब नारी शक्ति सशक्त होती है, तो परिवार समर्थ होता है। परिवार के समर्थ होने से समाज की नींव सुदृढ़ होती है और सुदृढ़ समाज से ही एक शक्तिशाली एवं समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है। यहीं से आत्मनिर्भर और विकसित भारत की संकल्पना साकार होती है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार आधी आबादी के सशक्तिकरण, सुरक्षा तथा सम्मान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि नारी शक्ति अपने अधिकारों के प्रति जागरूक है और यह उनका जन्मसिद्ध अधिकार है, जिसे वे किसी की दया से नहीं बल्कि अपने सामर्थ्य से प्राप्त कर रही हैं। वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री जी के प्रयासों से नारी शक्ति को उनके वाज़िब अधिकार देने के कार्य तेजी से प्रारम्भ हुए हैं।

मुख्यमंत्री जी ने भारतीय ऋषि परंपरा का स्मरण कराते हुए कहा कि हमारे पूर्वजों ने नारी गरिमा और महत्ता को सदैव सर्वोच्च सम्मान दिया है। प्रभु श्रीराम का नाम माता कौशल्या के साथ जुड़कर 'कौशल्या नंदन' कहलाता है और श्रीकृष्ण को उन्हें पालने वाली माता के नाम पर 'यशोदा नंदन' कहा जाता है। श्रीकृष्ण की लीला भूमि मथुरा-वृंदावन में 'राधे-राधे' का ही उद्घोष होता है। इसी प्रकार अर्जुन को 'कौन्तेय' और भीष्म पितामह को 'गंगापुत्र' कहकर सम्बोधित किया जाता है। उन्होंने कहा कि काशी में 'नमः पार्वती पतये हर-हर महादेव' का जयघोष होता है और हमारी देवतुल्य नदियों व गौ माता को भी हम 'गंगा मैया' और 'गौ माता' के रूप में ही पूजते हैं। यह हमारी सनातन संस्कृति में नारी के सर्वोच्च और पूजनीय स्थान को दर्शाता है।

केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का विस्तृत उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि वर्ष 2014 के बाद देश में नारी गरिमा को स्थापित करने के लिए 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ', 'मातृ वंदन योजना' और 'मिशन इंद्रधनुष' जैसे अनेक राष्ट्रव्यापी अभियान चलाए गए। उत्तर प्रदेश सरकार ने 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना' की शुरुआत की, जिसके तहत बेटी के जन्म से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई के लिए दी जाने वाली धनराशि को 25 हजार रुपये कर दिया गया है, जिससे वर्तमान में 26 लाख बेटियां लाभान्वित हो रही हैं। इसके साथ ही 'मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना' के तहत प्रत्येक जोड़े को एक लाख रुपये दिए जा रहे हैं, जिसने बाल विवाह को रोकने और दहेज मुक्त विवाह को प्रोत्साहन देने का बड़ा कार्य किया है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत मकानों का मालिकाना हक, ग्रामीण क्षेत्रों में एक करोड़ से अधिक घरौनियों का वितरण, उज्ज्वला योजना के निःशुल्क गैस कनेक्शन, मुफ्त राशन और आयुष्मान भारत का लाभ मुख्य रूप से महिलाओं को ही समर्पित कर उन्हें स्वावलंबन के पथ पर आगे बढ़ाया गया है।

महिला स्वावलंबन और राजनीतिक भागीदारी पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पीएम स्वनिधि, प्रधानमंत्री स्टार्टअप और मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान जैसी योजनाओं ने महिला उद्यमियों को आर्थिक रूप से सशक्त किया है। वर्तमान समय में पंचायत से लेकर अंतरिक्ष तक हर क्षेत्र में महिलाएं उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। उनकी राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ही प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023' नए संसद भवन में सबसे पहले पारित कराया गया, जो संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करता है। मुख्यमंत्री जी ने इस दौरान विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जैसे दलों का इतिहास हमेशा से नारी विरोधी रहा है और इन्होंने आधी आबादी को उनके अधिकार दिलाने में बाधा उत्पन्न करने का ही प्रयास किया है।

प्रदेश में कानून-व्यवस्था और रोजगार की उत्कृष्ट स्थिति की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले की तुलना में वर्तमान में प्रदेश की बेटियां पूरी तरह सुरक्षित हैं और बिना किसी भय के स्कूल जा रही हैं। उन्होंने आंकड़े प्रस्तुत करते हुए बताया कि वर्ष 1947 से 2017 तक उत्तर प्रदेश पुलिस में महिलाओं की संख्या मात्र 10 हजार थी, जो विगत 09 वर्षों में कई गुना बढ़कर 44 से 45 हजार तक पहुंच गई है। राज्य सरकार ने पुलिस भर्ती में 20 प्रतिशत पद महिलाओं के लिए अनिवार्य रूप से आरक्षित किए हैं। प्रदेश में दी गई 09 लाख से अधिक सरकारी नौकरियों में पौने दो लाख पदों पर महिलाओं की भर्ती हुई है। इतना ही नहीं, कभी मृतप्राय हो चुके एमएसएमई सेक्टर और प्रदेश में संचालित 21 हजार स्टार्टअप्स में से आधे से अधिक का सफल संचालन महिलाओं द्वारा ही किया जा रहा है, जो एक नए, सुरक्षित और सशक्त उत्तर प्रदेश की शानदार तस्वीर प्रस्तुत करता है।

पारदर्शी भर्ती परीक्षा, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था और जनसुविधाएं सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 22 अप्रैल, 2026 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स भर्ती परीक्षा, स्मार्ट मीटर से जुड़ी व्यवस्थाओं, पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता तथा प्रदेश की कानून-व्यवस्था सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने आगामी 25, 26 एवं 27 अप्रैल को प्रस्तावित उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स भर्ती परीक्षा की तैयारियों, जनसुविधाओं एवं सुरक्षा व्यवस्था के सम्बन्ध में अधिकारियों को कड़े दिशा-निर्देश दिए।
मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि होमगार्ड्स की भर्ती परीक्षा पहली बार उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के माध्यम से आयोजित की जा रही है, अतः सभी सम्बन्धित अधिकारी विशेष सतर्कता बरतें। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन जनपदों में हाल ही में नए जिलाधिकारी तैनात हुए हैं, वे सम्बन्धित मंडलायुक्त तथा एडीजी व आईजी स्तर के अधिकारियों के साथ समुचित समन्वय सुनिश्चित करें। परीक्षा की शुचिता एवं गोपनीयता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा और निष्पक्षता भंग करने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अवगत कराया गया कि प्रदेश के 74 जनपदों में 41,424 होमगार्ड्स पदों के लिए यह परीक्षा तीन दिनों में दो पालियों में सम्पन्न होगी। सोशल मीडिया पर सतत निगरानी रखने और अफवाह फैलाने वालों पर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। भीषण गर्मी को देखते हुए मुख्यमंत्री जी ने सभी परीक्षा केंद्रों पर शुद्ध पेयजल, आपातकालीन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा परीक्षार्थियों को अनावश्यक रूप से धूप में प्रतीक्षा न कराने के निर्देश दिए हैं। बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों के आवागमन के दृष्टिगत यातायात व्यवस्था सुचारु रखने तथा जिला प्रशासन को परीक्षा केंद्रों का पूर्व भ्रमण कर भौतिक सत्यापन करने को भी कहा गया है।
कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कुछ जनपदों से अराजक तत्वों द्वारा जातीय तनाव और संघर्ष भड़काने के प्रयास के संकेत मिले हैं। ऐसे में सभी अधिकारी अत्यंत सतर्क रहें और किसी भी स्थिति के उत्पन्न होने से पूर्व ही प्रभावी निरोधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कुछ क्षेत्रों में औद्योगिक अशांति उत्पन्न करने के कुत्सित प्रयासों का उल्लेख करते हुए चेतावनी दी कि यद्यपि वर्तमान में स्थिति सामान्य है, तथापि आगामी 30 अप्रैल से 02 मई के मध्य पुनः ऐसे प्रयास किए जाने की आशंका है। प्रदेश में औद्योगिक अशांति किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी और ऐसी कोशिशों को सख्ती से विफल किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, भीषण गर्मी के मद्देनजर सभी बारूद गोदामों एवं आतिशबाजी कारखानों का विशेष निरीक्षण कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि दुर्घटना की सम्भावनाओं को समाप्त कर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके।
प्रदेश में पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आपूर्ति एवं वितरण पूरी तरह सामान्य है और आमजन में किसी प्रकार का अनावश्यक पैनिक नहीं होना चाहिए। इस सम्बन्ध में समय-समय पर जनसामान्य को अवगत कराया जाए। सभी जिलाधिकारी अपने-अपने जनपदों में पेट्रोलियम कम्पनियों के प्रतिनिधियों के साथ नियमित बैठक कर आपूर्ति एवं वितरण की समीक्षा करें और नेपाल सीमा से सटे जनपदों में कालाबाजारी एवं जमाखोरी पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करें। स्मार्ट बिजली मीटर के सम्बन्ध में उठ रही आशंकाओं को दूर करते हुए उन्होंने बताया कि इसके समाधान हेतु एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है, जिसकी रिपोर्ट शीघ्र प्राप्त होगी। इस बीच उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए सभी जिलों में यूपीपीसीएल द्वारा फीडर-वार एक सप्ताह के विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिनमें शिकायतों का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। इन शिविरों के सम्बन्ध में व्यापक जन-जागरूकता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन बिल पारित न होने के सम्बन्ध में आयोजित 'जन आक्रोश महिला पदयात्रा' में सम्मिलित हुए

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज विकास के नए पथ पर अग्रसर है

Government of UP @UPGovt

Show translation

मुख्यमंत्री @myogiadityanath जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में सेतु एवं फ्लाईओवर निर्माण से कनेक्टिविटी को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है।

हर नया सेतु विकास की रफ्तार को और तेज कर रहा है।

Government of UP @UPGovt

Show translation

उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी पहल- 'अटल आवासीय विद्यालयों' के विद्यार्थियों ने प्रथम CBSE बोर्ड परीक्षा (कक्षा 10) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक सफलता अर्जित की है।

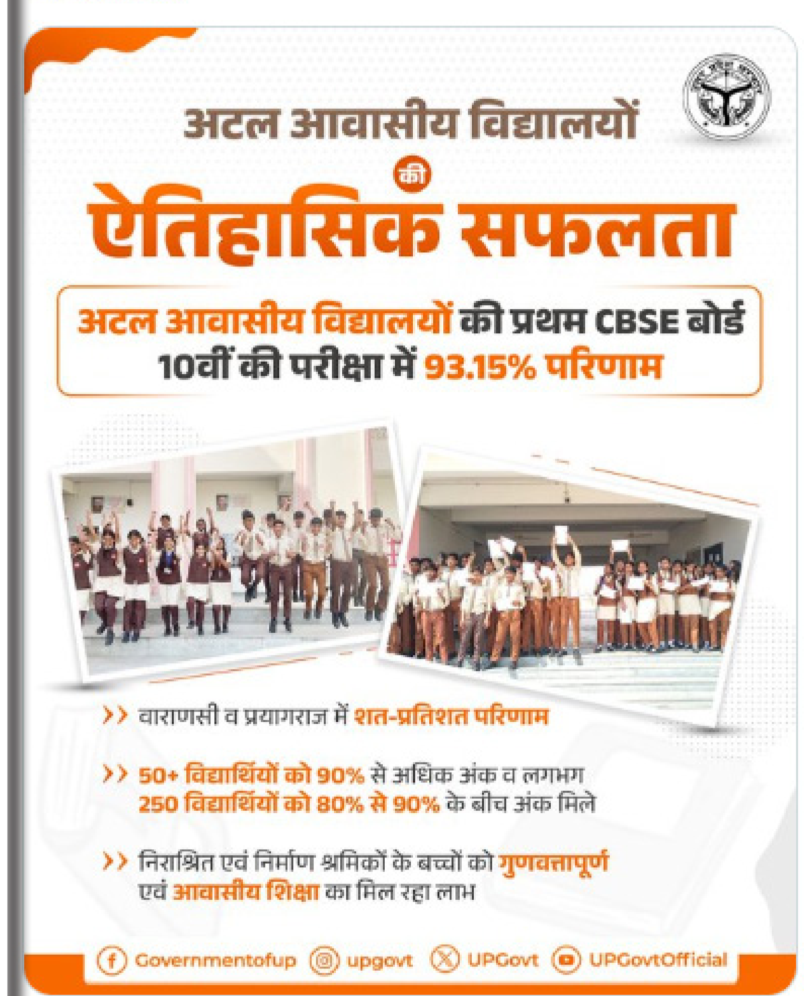

CM Office, GoUP @CMOfficeUP

Show translation

उत्तर प्रदेश आज भारत में न केवल Infrastructure के लिए, बल्कि एक मजबूत Manufacturing State के रूप में भी अपनी पहचान स्थापित कर चुका है।

बेहतरीन Infrastructure के साथ उत्तर प्रदेश ने देश में एक सशक्त पहचान बनाई है।

— मुख्यमंत्री @myogiadityanath जी

Government of UP @UPGovt

Show translation

सशक्त बेसिक शिक्षा - सशक्त उत्तर प्रदेश!

उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में डिजिटल मूल्यांकन से शिक्षा व्यवस्था व उसकी गुणवत्ता और अधिक सुदृढ़ हो रही है।

मुख्यमंत्री @myogiadityanath जी के नेतृत्व में डिजिटल गवर्नेंस और परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण के साथ 'नया उत्तर प्रदेश' हर बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रख रहा है।

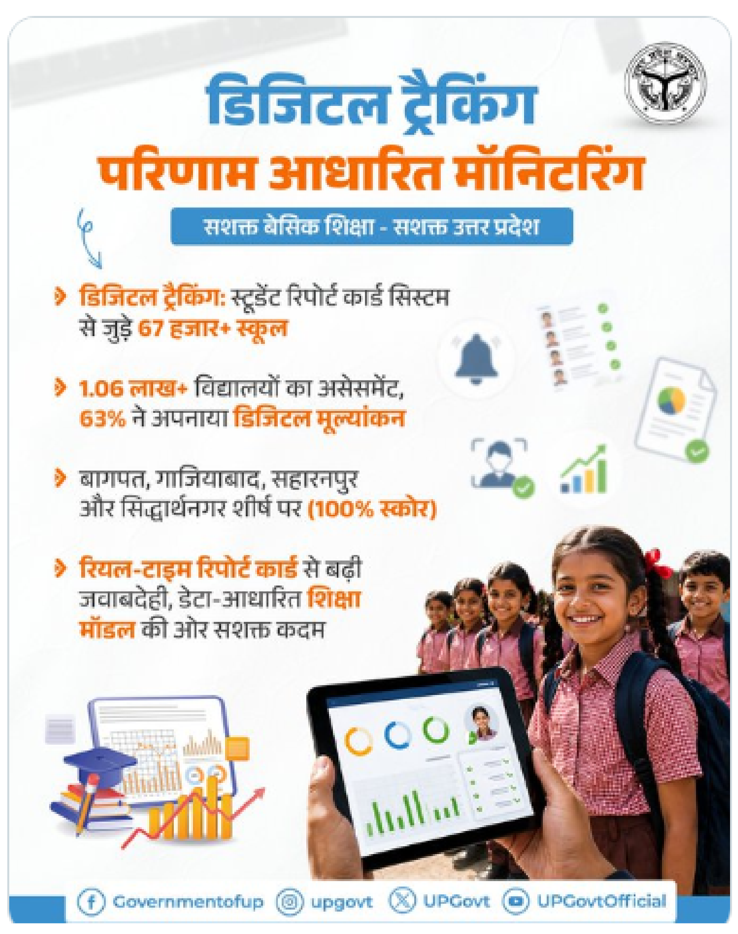

CM Office, GoUP @CMOfficeUP

Show translation

उत्तर प्रदेश Unlimited Potential का प्रदेश है और इन असीम संभावनाओं को आगे बढ़ाने में Technology महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

तकनीक के प्रभावी उपयोग और अनुकूल वातावरण के परिणामस्वरूप, देश में मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में लगभग 55 प्रतिशत हिस्सेदारी उत्तर प्रदेश की है। साथ ही, 55–60 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक कॉम्पोनेंट का निर्माण भी यहीं हो रहा है, जिससे बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं।

— मुख्यमंत्री @myogiadityanath जी

CM Office, GoUP @CMOfficeUP

Show translation

Artificial Intelligence के साथ ही Machine Learning, Data Science, Cyber Security और Space Technology जैसे डिजिटल युग के प्रमुख पिलर्स पर विशेष फोकस करते हुए आज गोरखपुर में Center of Excellence का उद्घाटन किया गया है।

यह केंद्र Drone एवं 3D Printing जैसी Innovative Technology और Space Technology जैसे उन्नत क्षेत्रों में यहां के युवाओं को एक टेक्नोलॉजिकल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराकर उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगा।

— मुख्यमंत्री @myogiadityanath जी

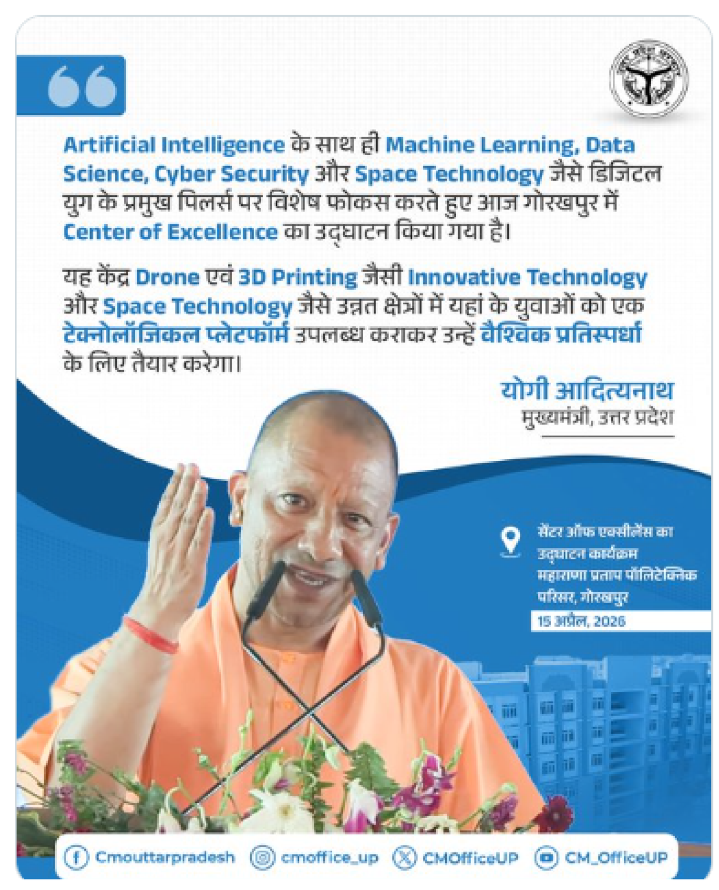

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए
निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित